


13-6
17



पञ्चावली कागद लोड करण करीय की सुदक पर पेडा
 डरी। सुदवा की मूल्य हो जाते के उकरे वारिकाण ने
 रूप में एक मात्र वारिकाण यानि कायम हुकाक हीमार्ग
 भोगी देवी बेवा कोनाय जाद उपरिचय। वादि या उपरिचय।
 वादि या की पहचान कवये, दकारय करवर, जाक पेचायत
 करारु हो श्री। वादि या के उपरिचय हो करु एक प्रार्थना
 पत्र प्रस्तुत किया। जिसे माफिम पञ्चावली किया गया।
 प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर वादि या के बहक करनी यही।
 वादि या की बहक करनी जाती। बहक के दौरान वादि या
 ने प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में क्विनि तय्यो व दस्तावेजों
 के माध्यम पर वादि या वाद पत्र के कोरु कार्यवाही नही
 चाहेत इस रवानीय किया जाते श्री करारुड का श्री।
 श्री पञ्चावली का उपलक्षण किया, तथा प्रार्थना
 पत्र की बहक पर भरण किया गया। माय दिन
 में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर विवादि
 को वाफियात के 112 दिवका का खयाल कर देना, तथा
 एक कोरु हर व दिवका नही होत तथा एक कोरु
 कार्यवाही नही चाहेत के कारण वादि या का वाद पत्र
 खरषा करारु जाते विभाजन द्वारा किया जाकर रवानीय
 किया जाता है रवची फनीकरु रूपन- रूपन बहन
 करे। लहउ काक डिडी जारी हो। पञ्चावली के कथ
 सुधार श्री जाकरु उपलक्ष दानिम हो।

दशरथ कंब.
 सरपंच
 ग्राम पंचायत सुरा
 पं. स. माण्डल


 उप खण्ड अधिकारी
 माण्डल